मुरलीधर की मुरली

मुरली है योगेश्वर श्रीकृष्ण के अधरों की शान,
मुरझाए चेहरे खिल उठते हैं सुन मुरली की तान।
मुरली है तो कृष्ण है, कृष्ण है तो मुरली,
गोपिकाओं को रिझाती थी, कान्हा की मधुर मुरली।

जिस मुरली ने कृष्ण को मनमोहन बनाया,
सर्वगुण सम्पन्न सोलह कला सम्पूर्ण बनाया।
नहीं थी वो कोई काठ की साधारण मुरली,
थी वो ईश्वरीय ज्ञान और सद्गुणों की मुरली।

वास्तव में मुरलीधर हैं शिव परमपिता परमात्मा,
ब्रह्मा तन का ले आधार शिव ज्ञान मुरली सुनाता।
परमात्मा ही है सुदामाओं का सच्चा

खुदा दोस्त,
भवसागर से करता पार, कर देता सबको मस्त।

श्री कृष्ण से गर है हमारा सच्चे दिल का प्यार,
मन वचन की पवित्रता निज जीवन में लें उतार।
शिव मुरलीधर की मुरली सुन भविष्य लें संवार,
शुभ भावों के संग मनाएँ जन्माष्टमी का त्योहार।